मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जेएमआई एम.एड. स्पेशल एजुकेशन के विद्यार्थियों द्वारा "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान और मूल्यांकन" पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक: 07 नवंबर 2025

शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग (IASE), शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान और मूल्यांकन" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जो 06 नवंबर से 12 नवंबर 2025 तक निर्धारित है। यह कार्यशाला विशेष रूप से एम.एड. स्पेशल एजुकेशन (लर्निंग डिसएबिलिटी और विजुअल इम्पेयरमेंट) के प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई है। इस कार्यशाला में तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने आयोजक की भूमिका निभाई, जबकि प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत आफ़ताब द्वारा तिलावत-ए-क़ुरआन की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई, जिसने कार्यक्रम में शांत और गरिमामयी वातावरण स्थापित किया। इसके पश्चात एम.एड. छात्रा नीति ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण दिया और सभी गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का अभिनंदन किया। इसके बाद एम.एड. के छात्र जितिन और जसवंत लाल ने कार्यशाला ब्रोशर एवं आयोजक प्रस्तुति का परिचय दिया, जिसमें कार्यशाला की थीम, उद्देश्य और संपूर्ण योजना की जानकारी दी गई। एम.एड. छात्रा आरती ने कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें विविध शिक्षण आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए मूल्यांकन उपकरणों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. अनीता रस्तोगी के प्रेरणादायी संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने महाभारत से सीखने के चार मार्गों पर अपने मूल्यवान विचार साझा किए। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षक को वर्णित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न शब्द व्यक्तिगत मूल्यों और शिक्षण दर्शन पर आधारित होते हैं।

प्रो. सैयदा फ़ौज़िया नदीम एवं प्रो. फराह फ़ारूकी, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग (IASE), ने पूर्व निर्धारित शैक्षणिक कार्यक्रमों के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हो पाने के बावजूद कार्यशाला की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

डॉ. मोहम्मद फ़ैजुल्लाह ख़ान ने भी कार्यशाला के सार्थक एवं सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रत्येक उपकरण और तकनीक के गहन अध्ययन के लिए प्रेरित किया, जिससे उनके पेशेवर विकास और भविष्य की प्रगति में सहायता मिलेगी।

इसके बाद डॉ. आर. जमुना ने व्यावसायिक विकास में कार्यशालाओं के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि ऐसे सत्र व्यावहारिक ज्ञान और शिक्षण कौशल को मजबूत बनाते हैं।

डॉ. तौसीफ़ आलम ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कार्यशालाएँ नए ज्ञान और Exposure प्राप्त करने के लिए प्रभावी मंच होती हैं, और वह भी बिना किसी आर्थिक बाधा के। उन्होंने भी कार्यक्रम की सफल पूर्णता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

आभार और सराहना के प्रतीक स्वरूप, कार्यशाला में उपस्थित प्रत्येक शिक्षक को डॉ. सौरभ राय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जो उनकी सहभागिता और योगदान का सम्मानजनक स्वीकार था।

उद्घाटन संबोधनों के पश्चात, एम.एड. छात्रा ईशा ने सहभागी नियम, सत्र संचालन और चिंतन गतिविधियों से संबंधित दिशा-निर्देशों की व्याख्या की।

इसके बाद, एम.एड. स्पेशल एजुकेशन कार्यक्रम के समन्वयक एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. सौरभ राय ने सभा को संबोधित किया। अपने प्रभावशाली विचारों में उन्होंने प्रमाण आधारित मूल्यांकन पद्धतियों की आवश्यकता पर जोर दिया, जो विशेष शिक्षा में शिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता बढ़ाती है। इसके पश्चात उपस्थित संकाय सदस्यों द्वारा शुभकामनाएँ और प्रेरक संदेश साझा किए गए, जिनमें सहानुभूतिपूर्ण एवं दक्ष विशेष शिक्षकों के निर्माण में विशिष्ट प्रशिक्षण की भूमिका पर बल दिया गया।

उद्घाटन सत्र का समापन फ़रहीन द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें सभी संसाधन व्यक्तियों, अतिथियों, शिक्षकों, आयोजकों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

सभी विशिष्ट संकाय सदस्यों—प्रो. (डॉ.) सारा बेगम, प्रो. (डॉ.) भारती शर्मा, डॉ. इराम नसीर, डॉ. पेट्टला रामकृष्ण, श्री मोहम्मद ज़ुबैर, डॉ. मुंताज़ बानो और डॉ. सुनीता भंगू—ने कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। यह सत्र कार्यशाला की एक सार्थक एवं प्रेरणादायी शुरुआत सिद्ध हुआ, जिसमें समर्पण, टीमवर्क और विशेष शिक्षा में पेशेवर दक्षता को बढ़ाने की सामूहिक दृष्टि परिलक्षित हुई।

प्रो .साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया